Prepp
Your Personal Exams Guide

Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

FSC-26-II

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code
J

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं OMR उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **J**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the OMR Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **J**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the OMR Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :
अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :
Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Prepp
Your Personal Exams Guide

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

FSC-26-II

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

J

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् OMR उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील श्याम** (Blue/Black)-**बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **J** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् OMR उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः – IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भागः IV : भाषा I – (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
   भागः V : भाषा II – (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

Prepp
Your Personal Exams Guide

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा Language-I** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

Prepp
Your Personal Exams Guide

PART-IV

LANGUAGE-I

SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा (Language-I)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (91-99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

पुराकाले श्रावस्तीनगर्यां प्रसेनजिताभिधः न्यायप्रियः राजा शासनं करोति स्म । तस्य शासनव्यवस्था प्रशंसनीया आसीत्। अकुतोभया तस्य प्रजा सर्वविधं सौख्यम् अन्वभूत्।

तदानीं कश्चिद् ब्राह्मणः कुतश्चिद् प्रदेशात् आगत्य तत्र निवसितुम् आरेभे। तेन हि पौरोहित्यकर्मणा लब्धेन धनेन द्विसहस्रस्वर्णमुद्राः एकत्रीकृताः। ताः पात्रे निधाय वनप्रदेशे नागबलावृक्षस्य मूले निक्षिप्य रक्षितवान्। स प्रायः तत्र गत्वा मुद्राः विलोक्य तुष्यति स्म।

एकस्मिन् अहनि तत्र गतेन तेन भाण्डं रिक्तम् व्यलोकि। बहुदिनार्जितं महान्तं धनराशिं विनष्टं विज्ञाय स शोकार्तः जातः। केन चोरितं भवेद् इदं धनम्- इति ज्ञातुम् अशक्नुवन् स राज्ञे प्रसेनजिताय सर्वं निवेदितवान्। नृपः तम् आश्वास्य गृहं प्रैषयत्।

तदनु चोरं ग्रहीतुं राज्ञा एकः उपायः चिन्तितः। स शरीरवेदनाव्याजेन शय्यागतः नगरस्य वैद्यान् आकारयत्। तेभ्यः वेदनानिवारकम् औषधं गृहीत्वा पृष्टवान्- एषु दिनेषु केषां रोगिणाम् उपचारः क्रियते भवद्भिः, किम् औषधं च दीयते तेभ्यः। तै रोगिणाम् औषधानां नामगुणादीनां परिचयः दत्तः। एकेन वैद्येन उक्तम् यन्मया मातृदत्तनामरोगिणे नागबलायाः मूलं क्वाथरूपेण सेवितुम् आदिष्टम्। राज्ञा मातृदत्तः आहूतः पृष्टश्च- नागबलामूलं कुतः प्राप्तम्? सोऽवदत्, मम सेवकः वनाद् आनीतवान्। ततः तेन सेवकः आहूतः।

राजदण्डभयात् स सेवकः निजम् अपराधं स्वीकृतवान्, मुद्राश्च प्रत्यर्पितवान्।

91. ब्राह्मणः प्रायः तत्र गत्वा मुद्राः विलोक्य __________ स्म। उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत ।
(1) तुष्यति (2) रोदिति (3) हसति (4) नृत्यति

92. ब्राह्मणेन केन कर्मणा धनम् लब्धम् ?
(1) चिकित्साकर्मणा (2) अध्यापनेन (3) पौरोहित्यकर्मणा (4) व्यापारेण

93. आनीतवान्-अस्मिन् पदे कः प्रत्ययः वर्तते ?
(1) क्तवतु (2) वान् (3) शतृ (4) घञ्

94. कुतश्चिद् प्रदेशात् श्रावस्तीनगरीं आगत्य कः अनिवसत् ?
(1) दयावान् साधुः (2) कृपणः कृषकः (3) एकः दस्युः (4) कश्चिद् ब्राह्मणः

95. शय्यागतः राजा नगरस्य कान् आकारयत् ?
(1) रक्षकान् (2) मालाकारान् (3) वैद्यान् (4) अध्यापकान्

96. अधोलिखितेषु पदेषु किं क्तप्रत्ययान्तं पदं न अस्ति ?
(1) आहूतः (2) गत्वा (3) एकत्रीकृताः (4) जातः

97. प्रसेनजिताभिधः राजा कीदृशः आसीत् ?
(1) कठोरहृदयः (2) बलवान् (3) कायरः (4) न्यायप्रियः

98. 'नागबलामूलं कुतः प्राप्तम्'-इति कः कं जनं पृच्छति ?
(1) ब्राह्मणः राजानम् (2) राजा ब्राह्मणम् (3) राजा मातृदत्तम् (4) मातृदत्तः सेवकम्

Prepp
Your Personal Exams Guide

99. एकेन वैद्येन मातृदत्ताय कस्य मूलं सेवितुं निर्दिष्टः ?
(1) अश्वत्थस्य (2) नागबलायाः (3) अरिष्टस्य (4) वटवृक्षस्य

अधोलिखितान् पद्यान पठित्वा प्रश्नानां (100-105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

अपूर्वः कोऽपि कोषोऽयं विद्यते तव भारति ।
व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति सञ्चयात् ।।1।।

यथा खनन् खनित्रेण नरो वार्यधिगच्छति ।
तथा गुरुगतां विद्यां शुश्रूषुरधिगच्छति ।।2।।

आचार्यो ब्रह्मणो मूर्तिः पिता मूर्तिः प्रजापतेः ।
माता पृथिव्याः मूर्तिस्तु भ्राता स्वो मूर्तिरात्मनः ।।3।।

एकेनापि सुवृक्षेण पुष्पितेन सुगन्धिना ।
वनं सुवासितं सर्वं सुपुत्रेण कुलं यथा ।।4।।

वदनं प्रसाद-सदनं सदयं हृदयं सुधामुचो वाचः ।
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ।।5।।

100. अधोलिखितेषु किं पदं तृतीयाविभक्त्यन्तं न अस्ति ?
(1) पृथिव्याः (2) सुगन्धिना (3) पुष्पितेन (4) खनित्रेण

101. पद्यानुसारं पिता कस्य मूर्तिः भवति ?
(1) पितामहस्य (2) राज्ञः (3) ईश्वरस्य (4) प्रजापतेः

102. भारत्याः कोषः सञ्चयात् कं आयाति ?
(1) क्षयम् (2) वृद्धिम् (3) सुरूपम् (4) लघुताम्

103. सुपुत्रस्य तुलना केन सह कृता ?
(1) चिकित्सकेन (2) सुवृक्षेण (3) पण्डितेन (4) पित्रा

104. खनन् खनित्रेण नरः किं अधिगच्छति ?
(1) ताम्रम् (2) पथः (3) वारि (4) रत्नानि

105. वन्द्यानां जनानां हृदयं कीदृशं भवति ?
(1) कठोरः (2) रसिकः (3) सदयम् (4) दुःखी

106. अधोलिखितेषु संस्थागतलेखनान्तर्गते किं न गण्यते ?
(1) संवेदनाटिप्पण्यः (Notes of condolence) (2) व्यवसायिक-पत्रम् (Business letter)
(3) करिकुलम-विट्टे (Curriculum-Vitae) (4) पुनरीक्षणानि (Reviews)

107. भाषाधिग्रहणे भाषाधिगमे च 'अन्तर्जातता-प्राक्कल्पना' (Innateness hypothesis) किं अस्ति ?
(1) इयं अस्वीकरोति यत् सर्वासां भाषाणां व्याकरणानि सन्ति अपि च सर्वे बालकाः स्व-स्वरीत्या तानि शिक्षन्ते
(2) इयं मन्यते यत् सर्वे मानवाः शारीरिक-अभ्यासमाध्यमेन, अनुकूलनेन (Conditioning) च भाषाः शिक्षितुं शक्नुवन्ति
(3) इयं मन्यते यत् सर्वे मानवाः जन्मसमये एव भाषाज्ञानं धारयन्ति
(4) इयं मन्यते यत् भाषा वृत्तिरचनायाः (Habit-formation) परिणामरूपे शिक्ष्यते

Prepp
Your Personal Exams Guide

108. 'विषयवस्तु-अभिमुखी-भाषा-निविष्टय:' (Content-oriented Language inputs) किं अस्ति ?
(1) भाषानिविष्टि: या भाषाप्रयोगे केन्द्रिता (Focus) भवति
(2) निविष्टीनां प्रस्तुति:, अस्या: प्रक्रिया: च
(3) भाषानिविष्टि: या सूचनाकेन्द्रिता अस्ति
(4) शब्दावलि:, उच्चारणं, व्याकरणं इत्यादत्य:

109. भाषाधिगमाधाररूपे शब्दानां शब्दाखण्डानां च समर्थनं केन उपागमेन क्रियते ?
(1) कार्याधारितभाषाधिगम: (2) सम्प्रेषणात्मक-उपागम:
(3) शाब्दिक-उपागम: (Lexical approach) (4) व्याकरणानुवादपद्धति:

110. अधोलिखितेषु किं विद्यालयीयशिक्षायां बहुभाषिकताया: उद्देश्य: न अस्ति ?
(1) विद्यालये अध्ययन-अध्यापने छात्राणां भाषा-प्रयोग:
(2) यथासम्भव: भवेत्, भाषारूपेण, अधिगम-माध्यमरूपेण च मातृभाषाया: शिक्षणम्
(3) त्रिभाषासूत्रान्तर्गते मातृभाषाया:, हिन्दीभाषाया:, आङ्ग्लभाषाया: च अध्ययनम्
(4) सर्वे छात्रा: स्वमातृभाषायां विद्यालययीशिक्षां आरभन्ते, अनन्तरे च अनेकभाषा:(न्यूनतमं द्वे) शिक्षन्ते

111. वाणी पाठस्य सामान्यावलोकनार्थं (general overview) एकं लेखं पठति । तस्या: पठनं किं कथ्यते ?
(1) अनुमानम् (Inferencing) (2) क्रमवीक्षणम् (Scanning)
(3) द्रुतपठनम् (Skimming) (4) समालोचनात्मकपठनम् (Critical Reading)

112. विद्यालयाधारित-आकलनस्य संवर्धनाय द्वे उपयुक्तपठने चिनुत ।
(a) एतत् छात्राणां शिक्षकानां च मध्ये स्वायत्तता-संवर्धने सहायतां करोति
(b) एतत् विद्यालयाय स्वतन्त्ररूपेण योजना: निर्मातुं अवसर: ददाति
(c) एतत् परीक्षामण्डलस्य शक्तिं अधिगृह्णाति
(d) अस्याम् आकलनप्रयोजनाप्रक्रियायां छात्रस्य सक्रियप्रतिभागिता न भवति
(1) (a) एवं (b) (2) (b) एवं (c) (3) (c) एवं (d) (4) (d) एवं (a)

113. किं शैक्षणिक-दर्शनं (Educational Philosophy) अधोलिखितं समर्थयति ?
शिक्षाया: पूर्वनिर्धारितक्रमाणां स्थाने वास्तविक-जगत्विन्यास: (Real-world-setting) अथवा परिस्थित्याधारितशिक्षणं इत्यादीनि शिक्षणवातावरणानि प्रयुज्यन्ते ।
(1) सहजज्ञानवाद: (Nativism) (2) संरचनात्मकतावाद: (Constructivism)
(3) श्रव्यभाषिकतावाद: (Audiolingualism) (4) संज्ञानात्मकतावाद: (Cognitivism)

114. षष्ठकक्षाया: एक: छात्र: नवीनव्याकरणात्मक-स्वरूपस्य अधिगमसमये स्व पूर्वज्ञातेन सह तं संयोक्तुं समर्थ: अस्ति । अनेन अधोलिखितेषु का पद्धति: प्रतीयते ?
(1) अन्वेषणात्मक-पद्धति: (Heuristic strategy)
(2) संज्ञानात्मक-पद्धति: (Cognitive strategy)
(3) अधिसंज्ञानात्मक-पद्धति: (Metacognitive)
(4) द्वे-संज्ञानात्मक, अधिसंज्ञानात्मक च पद्धती

Prepp
Your Personal Exams Guide

115. सप्तमकक्षाया: अध्यापिका सप्तवाक्ययुक्तस्य पाठस्य वाचनं करोति। तदा सा छात्रान् सावधानीपूर्वकं श्रोतुं एतत्सदृशं पाठं लिखितुं च निर्दिशति, न तु समरूपपाठम्। इयं पद्धति: कथ्यते –

(1) विवरणिकारचना (Scheme creation)
(2) अधोगामी-पद्धति: (Top-down strategy)
(3) ऊर्ध्वगामी-पद्धति: (Bottom-up strategy)
(4) अनुच्छेद-श्रुतलेख: (Paragraph dictation)

116. अधिगमपरिणामस्य उद्देश्यानां विषये अधोलिखितेषु किं सत्यम् अस्ति ?

(a) योग्यताधारित-अधिगमस्य वर्धनं (Promotion), न तु विषयवस्तु-केन्द्रिताधिगमस्य
(b) भाषाया: रचनाशीला: प्रयोक्तार: भवितुं, भाषाकौशलनैपुण्यार्थं छात्राणां समर्थीकरणं
(c) विषयवस्तुनि नैपुण्यं, कालान्तरे च एतत् प्रयोक्तुं योग्यता
(d) विशेषप्रयोजनेभ्य: भाषां प्रयोक्तुं छात्राणां समर्थीकरणम्

(1) केवलं (c) सत्यम् अस्ति (2) (b) एवं (c) सत्ये स्त:
(3) (d) एवं (c) सत्ये स्त: (4) (a) एवं (d) सत्ये स्त:

117. व्याकरणाधिगमप्रसङ्गे 'प्रक्रियात्मकज्ञानं' अधोलिखितेषु किं कथनं उत्तमरूपेण वर्णयति ?

(1) स्वरूपविषयं अधिगन्तुम्
(2) व्याकरणात्मकस्वरूपं किं भवति, इत्यस्य ज्ञानं, तस्य प्रयोग: च
(3) व्याकरणनिमानां अधिगम: पश्चात् च अस्य पुनरुत्पादनम्
(4) एकस्मात् व्याकरणपुस्तकात् एतस्य अवबोधनं यत् व्याकरणात्मकस्वरूपं कथं कार्यं करोति

118. श्रीमती उषारानी, राजकीय-उच्चविद्यालये आङ्ग्लभाषाया: अध्यापिका अस्ति । सा दैनिकप्रयोजनेषु प्रयोगमाध्यमेन एवं सूत्रात्मकप्रयोगानां (Formulaic Usages) शिक्षणमाध्यमेन, आङ्ग्लभाषासम्भाषणाय स्वछात्राणां सहायतां करोति । सा स्वछात्रेषु किं विकासयितुं प्रयतते ?

(1) सम्प्रेषणात्मककौशलम् (2) अन्तर्वैयक्तिककौशलम्
(3) संज्ञानात्मक-शैक्षणिक-भाषा-प्रावीण्यम् (4) मूल-अन्तर्वैयक्तिक-सम्प्रेषण-कौशलम्

119. एका अध्यापिका सप्तमकक्षाया: छात्राणां विशिष्टत्रुटि-उदाहरणानि संगृह्णाति। मासे एकवारं सा स्वछात्रान् बोधयितुं त्रुटिविषयकचर्चां करोति । अभ्यासोऽयं कथ्यते –

(1) व्याकरणस्य अध्ययनं, तस्मिन् संलग्नता च (Engagement)
(2) व्याकरणस्य अध्यापनम्
(3) प्रतिप्राप्ति-प्रबन्ध: (Providing feedback)
(4) त्रुटि-विश्लेषणम् (Error-analysis)

120. यदा वयं शब्दान् शृण्म: पश्याम: वा, तेषां अभिज्ञानं ज्ञायते –

(1) शब्दसमूह: (Lexis) (2) उत्पादकशब्दावलि:
(3) ग्रहणशील-शब्दावलि: (4) चित्ताकर्षक-शब्दावलि: (Engaging Vocabulary)

Prepp
Your Personal Exams Guide

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only. →

Prepp
Your Personal Exams Guide

PART-V

LANGUAGE-II

SANSKRIT

अभ्यर्थिन: **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्यु:, यदि तै: **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (121-128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमं उत्तरं चिनुत।

सृष्टिनिर्माणकार्ये ब्रह्मा तन्मयभावेन संलग्न: आसीत्। एकदा स: अविचारयत्–'मया पृथिव्या: निर्माणं कृतम्। अस्या उपरि सागरा:, पर्वता:, मानवा:, पशव:, वृक्षादय: स्थापिता:। कदाचित् एतत् न स्यात्, यत् एषा पृथिवी एतेषां सर्वेषां भारेण महत्कष्टम् अनुभवेत्।

एवं विचिन्त्य स: तस्या: समीपम् अगच्छत् अवदत् च –हे धरे! एतेषां विशालानां पर्वतानां, सागराणां, मानवानां, पशु–पक्षि–वृक्षादीनां च भारेण कदाचित् कष्टं तु न अनुभूयते त्वया?

ब्रह्मण: वचनं श्रुत्वा पृथिवी विनम्रतया उवाच–"प्रभो! एतै: विशालै: पर्वतै:, विस्तृतै: सागरै:, कोटिसंख्यकै: मनुष्यै:, वन्यप्राणिभि:, वृक्षादिभि: वा अल्पम् अपि कष्टं न अनुभवामि अहम्। सर्वे एते भारस्वरूपा: न प्रतीयन्ते मे। वस्तुत: एतेषां सर्वेषां वहने अहम् अतीव सुखं सन्तोषं च अनुभवामि। यत: एतान् सर्वान् अहं पुत्रवत् मन्ये। एतान् स्व अङ्के स्नेहेन धारयामि। का माता या स्वपुत्रान् भारवत् मन्येत ?" इति।

तस्या: एतद्वचनं श्रुत्वा ब्रह्मा पुन: उक्तवान्– पुनरपि एतेषु सर्वेषु कच्चिदपि ईदृश: स्यात्, येन त्वं कष्टं अनुभवसि, भारस्वरूपं वा मन्यसे तत्?

ब्रह्मण: तत् वचनं श्रुत्वा पृथिवी अतीव गंभीरा जाता, मन्दस्वरेण च उक्तवती– "श्रीमन्! यदा कोऽपि प्राणी भवद्भि: निर्मितान् एतान् मम पुत्रान् प्रति क्रूरतया व्यवहारं करोति, स्वार्थाय च तं विनाशयितुं वाञ्छति। स: पापात्मा मानव: प्राणी वा मह्यं भारवत् प्रतीयते, अनुभूयते। तं वहन्ती अहम् अतीव क्लेशम् अनुभवामि।"

121. ब्रह्मा कस्मिन् तन्मयभावेन संलग्न: आसीत् ?

(1) तपस्यायाम् (2) सृष्टिनिर्माणकार्ये (3) यज्ञादिकार्ये (4) शास्त्राध्ययने

122. पृथिव्या: निर्माणं केन कृतम् ?

(1) ब्रह्मणा (2) चित्रकारेण (3) तक्षकेन (4) स्वर्णकारेण

123. 'ब्रह्मण: वचनं श्रुत्वा पृथिवी अतीव __________ जाता' – अधोलिखितेषु पदेषु उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) प्रसन्ना (2) गंभीरा (3) व्याकुला (4) उत्साहिता

124. पृथिव्या: उपरि के स्थापिता: न सन्ति ?

(1) पर्वता: (2) पशव: (3) सागरा: (4) जलदा:

125. भवद्भि:–इत्यस्मिन् पदे का विभक्ति: किं च वचनम् अस्ति ?

(1) तृतीयाविभक्ति:, बहुवचनम् (2) पञ्चमीविभक्ति:, एकवचनम्

(3) सप्तमीविभक्ति:, द्विवचनम् (4) चतुर्थीविभक्ति:, एकवचनम्

Prepp
Your Personal Exams Guide

126. सागरादीनां सर्वेषां वहने पृथिवी किं अनुभवति ?

(1) करुणाम् (2) भारम् (3) सन्तोषम् (4) दु:खम्

127. अधोलिखितेषु पदेषु किं द्वितीयाविभक्ते: उदाहरणं न अस्ति ?

(1) एतान् (2) क्लेशम् (3) वचनम् (4) कोटिसंख्यकै:

128. पृथिवी किं वहन्ती अतीव क्लेशं अनुभवति ?

(1) वृक्षा: (2) वन्यप्राणिन: (3) पापात्मा–प्राणी (4) प्रदूषणम्

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमं उत्तरं चिनुत।

कस्मिश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणपुत्रा: परस्परम् मित्रतामुपगता: वसन्ति स्म । तेषां त्रय: शास्त्रपारंगता: परन्तु बुद्धिहीना: । एकस्तु बुद्धिमान् शास्त्रपराङ्मुख:, परं सर्वदा विचिन्त्यैव कार्यं करोति स्म । अथ कदाचित् तै मित्रै: मन्त्रितम्–'को गुणो विद्याया:, येन देशान्तरं गत्वा भूपतीन् परितोष्य अर्थोपार्जनं न क्रियते । तत् पूर्वदेशं गच्छाम: ।' तथानुष्ठिते किंञ्चिन्मार्गं गत्वा तेषां ज्येष्ठ: प्राह– ''अहोऽस्माकमेक: चतुर्थो मूर्ख: केवलं बुद्धिमान् । न च राजप्रतिग्रहो बुद्ध्या लभ्यते विद्यां विना । तन्न अस्मै स्वोपार्जितं दास्यामि । तद्गच्छतु गृहम् ।'' ततो द्वितीयेनाभिहितम्–''भो सुबुद्धे! गच्छ त्वं स्वगृहं, यत: ते विद्या नास्ति ।'' तत: तृतीयेनाभिहितम्–''अहो न युज्यते एवं कर्तुम्, यतो वयं बाल्यात् प्रभृति एकत्र अक्रीडाम । तदा गच्छतु महानुभावोऽस्मदुपार्जितस्य समभागी भविष्यति ।''

तथाऽनुष्ठिते तै: मार्गे अटव्यां मृतसिंहस्यास्थीनि दृष्टानि । ततश्चैकेनाभिहितम्–''अहो, अद्य विद्या-प्रत्यय: क्रियते । किञ्चिदेतत् सत्त्वं मृतं तिष्ठति, तद्विद्या-प्रभावेण जीवनसहितं कुर्म: । अहमस्थिसंचयं करोमि ।'' ततश्चैकेन औत्सुक्यात् अस्थिसञ्चय: कृत: । द्वितीयेन चर्ममांसरुधिरं संयोजितम् । तृतीयोऽपि यावज्जीवनं सञ्चारयति तावत् सुबुद्धिना निषिद्ध:–''भो: तिष्ठतु भवान् । एष: सिंहो निष्पाद्यते । यदीमं सजीवं करिष्यति तत: अयम् सर्वानपि व्यापादयिष्यति ।'' तेनाभिहित: स: अवदत्–''धिङ् मूर्ख, नाहं विद्याया: विफलतां करोमि ।''

तत: तेनाभिहितम्–''तर्हि प्रतीक्षस्व क्षणं यावदहं वृक्षमारोहामि ।'' तथाऽनुष्ठिते यावत्स: सिंह: सजीव: कृत: तावत् ते त्रयोऽपि सिंहेनोत्थाय व्यापादिता: । स: सुबुद्धि: च पुन: वृक्षादवतीर्य गृहं गत: । अत: विद्वांस: सत्यं कथयन्ति–

वरं बुद्धिर्न सा विद्या, विद्याया: बुद्धिरुत्तमा ।
बुद्धिहीना विनश्यन्ति यथा ते सिंहकारका: ।।

129. गद्यानुसारं बुद्धिहीनानां तुलना केन सह कृता ?

(1) मूर्खा: (2) उन्मता: (3) सिंहकारका: (4) शठा:

130. 'ततश्चैकेनाभिहितम्'– अस्मिन् पदे सम्यक् सन्धि-विच्छेद: कुरुत :

(1) ततश्चै+केनाभिहितम् (2) तत:+च+एकेन+अभिहितम्
(3) तत:+चै+केन+अभिहितम् (4) ततश्चैके+नाभिहितम्

131. एकेन ब्राह्मणपुत्रेण औत्सुक्यात् किं कृत: ?

(1) कूपखननम् (2) अस्थिसञ्चय: (3) तडागावतरणम् (4) मद्यपानम्

132. ब्राह्मणपुत्रै: मार्गे कस्य अस्थीनि दृष्टानि ?

(1) मृतसिंहस्य (2) मृतव्यालस्य (3) मृतनकुलस्य (4) मृतजम्बूकस्य

133. चतुर्षु ब्राह्मणपुत्रेषु बुद्धिमान् जनः सर्वदा __________ कार्यं करोति स्म । उचितपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत ।

(1) प्रातः काले (2) आलस्यपूर्वकं (3) द्रुतगत्या (4) विचिन्त्यैव

134. सुबुद्धिः कस्मात् अवतीर्य गृहं गतः ?

(1) वृक्षात् (2) पर्वतात् (3) गृहात् (4) भवनात्

135. 'गच्छ त्वं गृहं यतः ते विद्या नास्ति'– इति कथनं केन कं च कथितम् ?

(1) बुद्धिमता द्वितीयमित्रम्
(2) सिंहेन बुद्धिमन्तम्
(3) द्वितीयमित्रेण तृतीयमित्रम्
(4) द्वितीयेन बुद्धिमन्तम्

136. एका अध्यापिका अष्टमकक्षायाः छात्रेभ्यः अधोलिखितं कार्यं ददाति । अयं लेखनस्य कः प्रकारः कथिष्यते ?

युग्मेषु मस्तिष्कोद्दोलनं (Brainstorm) कृत्वा विचाराणां संक्षिप्तरूपेण लेखनं, तेषां च उत्तमलेखरूपे विकसनम् । अत्र विषयस्य समर्थने द्वौ तर्के, विरोधे च द्वौ तर्के देये । छात्राः मुद्रितपुस्तकानां आवश्यकतां न अनुभवन्ति :

(1) व्यक्तिगत-लेखनम्
(2) व्याख्यात्मक-लेखनम्
(3) बहुविषयात्मक-लेखनम् (Discursive)
(4) वर्णनात्मक-लेखनम्

137. भाषाधिग्रहणस्य भाषाधिगस्य अन्तर्जातता-प्राक्कल्पना (Innateness Hypothesis) इत्यस्य विषये अधोलिखितेषु किं कथनं सत्यम् अस्ति ?

(1) इयं अभिभावकानां प्रयत्नानि, समकक्षिनः, बालकस्य समीपवर्तिनः च भवति, अपि च भाषाधिग्रहणाय महत्त्वपूर्णं वातावरणम् अस्ति
(2) भाषा तेषां मानवानां कृते विशिष्टा भवति ये भाषासम्भाषणे समर्थाः भवन्ति
(3) छात्रेभ्यः प्रदत्तः भाषाध्यापकवर्गः, गम्भीर-अभ्यास-ड्रिलमाध्यमेन च भाषा-अवबोधे छात्रान् समर्थीकुर्वन्ति
(4) छात्राणां सहायक भाषाअध्यापकवर्गः छात्रेषु भाषाधिग्रहणाय, भाषोत्पादनाय च उत्तरदायी भवति

138. अधोलिखितेषु का ऊर्ध्वगामी-श्रवण-गतिविधिः अस्ति ?

(1) श्रुतलेखः, क्लोज़ (Cloze) श्रवणं, बहुविकल्पात्मकप्रश्नानां प्रयोगः, सकारात्मक,नकारात्मकानां च कथनानां अभिज्ञानम्
(2) संक्षेपणं, सम्पूर्णसन्देस्यश्रवणं, पृष्ठभूमिज्ञानस्य प्रयोगः (Background knowledge)
(3) अव्यवस्थित (Jumbled)-शब्दानां वाक्येषु पुनरन्वयः यावत् एकः जनः शृणोति
(4) कवितायाः सस्वर-पठनं (Recitation), तात्कालिक-भाषणं (Extempore speech), वाद-विवादः, परिचर्चाः च

139. भाषाध्यापने 'पदार्थानां / सामग्रीणां शिक्षाशास्त्रीयः अवबोधः' इत्यस्य कः अभिप्रायः ?

(1) भाषा-शिक्षाशास्त्रस्य संवर्धनाय गतिविधीनां कार्याणां च सन्निवेशनम् (Embedding)
(2) शिक्षाशास्त्रं अंगीकरणे अध्यापिकां समर्थीकर्तुं, पदार्थेषु / सामग्रीषु शिक्षाशास्त्रस्य सन्निवेशनम्
(3) स्वकक्षायां शिक्षाशास्त्रं (Pedagogy) अवगन्तुं अध्यापिकायाः समर्थीकरणम्
(4) कक्षायां प्रयोगार्थं विविधानां शिक्षाशास्त्रीय-पद्धतीनां सूचीकरणम्

Prepp
Your Personal Exams Guide

140. विद्यालये सर्वे छात्राः स्वशिक्षां मातृभाषायां प्रारभन्ते । यदा ते विद्यालये अग्रेसराः भवन्ति, ते अन्याः भाषाः अपि शिक्षन्ते । शिक्षायां भाषानीतिविषये एतत् कथनं ज्ञायते–

(1) संस्कृति-विशेष-शिक्षायां भाषानीतिः (2) विद्यालयशिक्षायै त्रिभाषासूत्रम्

(3) भाषाशिक्षायै आधाररूपे मातृभाषा (4) मातृभाषाधारितबहुभाषिकता

141. सन्ध्या काञ्चित् सूचनां अन्वेष्टुं यन्त्रशिक्षणे एकं लेखं पठति । तस्याः पठनं कथ्यते–

(1) दृष्टिपातः (Glancing) (2) पुनरीक्षणम् (Reviewing)

(3) द्रुतपठनम् (Skimming) (4) क्रमवीक्षणम् (Scanning)

142. अधोलिखितं कार्यं किं कथ्यते ?

एकः लघुपाठः द्वयोः पृथक् खण्डयोः निर्मितः । प्रत्येकं एकान्तरं वाक्यं एकस्मै युग्माय दत्तम् । प्रत्येकः छात्रः अन्यं छात्रं तं वाक्यं कथयति अन्यः च लिखति । इयं प्रक्रिया पुनः वैपरीत्येण क्रियते, अन्यः छात्रः शृणोति लिखति च । उत्तरकाले च ते मिलित्वा सम्पूर्णं पाठं अन्तिमरूपं दातुं शक्नुवन्ति ।

(1) अन्तर्रचना (Transcreation)

(2) अनुच्छेद-श्रुतलेखः (Paragraph Dictation)

(3) पारस्परिक-श्रुतलेखः (Mutual Dictation)

(4) व्याकरण-श्रुतलेखः (Grammar Dictation)

143. अधिगमः एकं अर्थान्वेषणम् अस्ति । अतएव अधिगमस्य प्रारम्भः छात्रान् परितः तैः विषयैः सह कर्तव्यः येषां विषयाणां अर्थान् अधिगन्तुं ते सक्रियरूपेण प्रयतन्ते अयं विचारः केन शिक्षादर्शनेन समर्थितः ?

(1) व्यवहारवादः (2) रचनात्मकतावादः (3) बहुविध-बुद्धिः (4) संरचनात्मकतावादः

144. संरचना-अभिमुखी-भाषा-निविष्टेः (Input) कः अभिप्रायः ?

(1) भाषाधिगमाय निविष्टीनां अर्थः (2) शब्दावलेः, उच्चारणस्य, व्याकरणस्य च प्रयोगः

(3) सूचनायां केन्द्रीकृताः निविष्टयः (4) लेखनशिक्षणाय निविष्टेः क्षमता (Potential)

145. अधोलिखितेषु किं अधिगमाय आकलनं अस्ति ?

(1) अध्यापन-अध्ययनप्रक्रियायां छात्राणां प्रगतेः अनुवीक्षणार्थं संवर्धनार्थं च परिकल्पितम् आकलनम्

(2) सत्रान्ते छात्राणां प्रगतिं ज्ञातुं, तेषां कक्षोन्नतेः च विचारार्थम्

(3) एकस्यां विशिष्टअवस्थायां छात्राणाम् उपलब्धिं परिज्ञातुं (Diagnose) प्रशासनेन कृतम् आकलनम्

(4) प्रत्येकसत्रस्य अन्ते छात्राणां प्रगतेः (Progress) अनुवीक्षणार्थं परिकल्पितम् आकलनम्

Prepp
Your Personal Exams Guide

146. उत्पादक-शब्दावलि: किम् अस्ति ?

(1) अस्माभि: लेखने सम्भाषणे च प्रयुक्ता: शब्दा:

(2) अस्माभि: श्रवणसमये अभिज्ञाता: शब्दा:

(3) ते शब्दा: यान् वयं अभिज्ञातुं न शक्नुम:

(4) अस्माभि: श्रवणकाले कदाचित् पुन:स्मृता: शब्दा:

147. काव्यस्य (Poetry) अध्ययन-अध्यापनाय अधोलिखितेषु किं कथनं न अनुमोदनीयम् (Endorse) ?

(1) काव्यं छात्राणां कल्पनाभ्यासार्थं भवति

(2) काव्यं भाषाभि: सह कार्यार्थं भवति

(3) काव्यं आनन्दार्थं भवति

(4) काव्यं व्याकरणाध्यापनार्थं भवति

148. कक्षायां विविधविषयवस्तूनां क्षेत्रे भाषा प्रयुक्ता यावत् अध्यापक: प्रस्तौति छात्रेभि: सह वार्तालापं करोति । एतत् भाषाकौशलं किं कथ्यते ?

(1) आधारभूत-अन्तर्वैयक्तिक-सम्प्रेषणकौशलम्

(2) वास्तविकजीवने प्रयोजनेभ्य: भाषा

(3) भाषाप्रयुक्ति:

(4) संज्ञानात्मक-शैक्षणिक-भाषाप्रावीण्यम्

149. अधोलिखितं कथनं व्याकरणात्मकज्ञानस्य कं प्रकारं सूचयति ?

संरचनाया: ज्ञानं, अस्या: वर्णनं, सीमितअभ्यासे च अस्या: प्रयोग: च ।

(1) योग्यता

(2) अधिसंज्ञानात्मक-ज्ञानम् (Metacognitive knowledge)

(3) प्रक्रियात्मक-ज्ञानम्

(4) विवरणात्मक-ज्ञानम् (Declarative knowledge)

150. अधोलिखिते कार्ये किं समाविष्टम् ?

छात्रेभ्य: एकस्य भोजनालस्य व्यञ्जनसूची (Menu) प्रदत्ता । तै: चतुर्जनेभ्य: 1,800 रूप्यकेषु भोजन: आदिष्ट: (To order) । एक: जन: शाकाहारी अस्ति, अन्यं च छत्राकात् (Mushroom) प्रत्यूर्जता (Allergy) अस्ति । तै: गृहं गन्तुं 70 रूप्यकाणि अपेक्षन्ते । छात्रा: अस्य विषये कथनोपकथनं कुर्वन्ति, यत् तै: किं आदिष्टव्यं, तेषां अभिरुचय:, छात्रावासं गन्तुं राशि: इत्यादय:।

(1) उच्चस्तरीय-चिन्तनकौशलानि

(2) अध्ययनं-युक्ति:-परावर्तनं-प्रयोग:(भाषा) (Study-Engage-Reflect-Use)

(3) संज्ञानात्मक पद्धतय:

(4) प्रस्तुति:-अभ्यास:-उत्पाद:

- o 0 o -

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।

2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील श्याम (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।

3. परीक्षार्थिभिः OMR उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं OMR उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।

4. परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।

5. परीक्षापुस्तिकायाम् OMR उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।

6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।

7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।

8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।

9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।

10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।

11. कार्यरतनिरीक्षकाय OMR उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना OMR उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।

12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।

13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।

14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।

15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं OMR उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस OMR उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक OMR उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/OMR उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना OMR उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने OMR उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और OMR उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व OMR उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the OMR Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the OMR Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the OMR Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and OMR Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and OMR Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/OMR Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their OMR Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the OMR Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and OMR Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***